

श्याम बिन कौन सुने मोरी बात

कौन सुने मोरी बात श्याम बिन कौन सुने
रात रात भर अखियन आंसू जागु मैं दिन रात
श्याम बिन कौन सुने मोरी बात

आईटी उत देखू नजर न आवे नजरो में छवि तेरी
काहे आँख मिचोली मुझसे देख दसा तू मेरी
बनी वनवारी दर्शन के बिन अब न कथु सुहात
श्याम बिन कौन सुने मोरी बात

मैं तो अपने वचन श्याम जी तुमने छोड़ी डोर
तुम न मिले तो समजो श्याम जी प्राण काजू गी भोर
दास नरायन श्याम प्राण है श्याम मेरी सोगात
श्याम बिन कौन सुने मोरी बात

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/17005/title/shyam-bin-kaun-sune-mori-baat>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |